## अमेरिका की स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी ने रिसर्च पर चुने दुनिया के टाप वैज्ञानिक

# मंडी के प्रो दीपक पठानिया दुनिया के टाप वैज्ञानिकों की सूची में शामिल

• खबरनामा ब्यूरो । सरकाघाट

हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के विख्यात स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गयी विश्व के सर्वोच्च दो प्रतिशत विज्ञानिकों की सूची में हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के प्रेसिडेंट प्रो. दीपक पठानिया अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा विश्व भर के ऐसे वैज्ञानिकों की सूची बनाई गई है जिन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर के शोध कार्य को गति प्रदान की है। प्रो. पठानिया ने रसायन विज्ञान में अपने शोध कार्य की गुणवत्ता के आधार पर 2019 वर्ष के लिए प्रकाशित इस सूची में जगह बनाकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मंडी जिला की उपतहसील टिहरा के एक छोटे से गांव कोट से संबंध रखने वाले ये युवा वैज्ञानिक जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं तथा हाल ही में सरदार वल्लभ भाई पटेल क्लस्टर विश्वविद्यालय मंडी में प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यरत हैं। उनकी इस उपलब्धि से घर-गांव के साथ साथ पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

प्रो. दीपक पठानिया अब तक 160 से अधिक शोध कार्य विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित कर चुके हैं तथा 21 अध्याय अलग अलग किताबों में लिख चुके हैं। साथ ही 14 पुस्तकों के लेखक भी हैं। 17 पीएचडी, 14 एमफिल व 42 एमएससी छात्र छात्राओं को उनके शोध कार्य तथा शोध प्रोजेक्ट्स में गाइड करने के साथ-साथ लगभग 150 सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। यह उनके कठिन परिश्रम का ही परिणाम है कि शोध क्षेत्र के मानक माने जाने वाले एच- इंडेक्स में उनका स्कोर 44 तथा आई-10 इंडेक्स स्कोर 87 है। अब तक 11 पेटेंट्स फाइल कर चुके प्रो0 पठानिया कई अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के समीक्षक व सदस्य हैं।

प्रो0 पठानिया देश भर के कई विश्वविद्यालयों में बोर्ड ऑफ स्टडीज तथा विभिन्न कमेटियों के अध्यक्ष व सदस्य हैं। गत वर्षों में जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय के डीन व शिक्षक संघ के प्रधान भी रहे। पॉलिमर बेस्ड कंपोसिट्स, नैनो - कंपोसिट्स, मेटल - सेंसर्स व पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्रों में अपने शोध कार्य में उत्कृष्टता की वजह से कई अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (एच एस सी ए) के वाइस प्रेसिडेंट डा0 राजेश शर्मा व डा0 भीम सिंह राठौर और ग्राम पंचायत कोट के प्रधान यश पठानिया ने प्रो 0 दीपक पठानिया को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह एसोसिएशन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक गौरवपूर्ण समय है। एचएससीए के सचिव डा0 सुनील कुमार व डा0 महेंद्र ठाकुर, पूर्व सचिव डा0 सीता राम व संस्थापक सदस्य डा0 जगदीप वर्मा ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके और उज्वल भविष्य की कामना की।

एच एस सी ए का उदेश्य हिमाचल प्रदेश में विज्ञान को बढ़ावा देना है। इस सन्दर्भ में अब तक दस से अधिक अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करके एसोसिशन ने विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों से लेकर शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाई है। एसोसिएशन योग्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृति भी प्रदान करती है।

संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक सुदर्शन शर्मा

# हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के प्रेसिडेंट ने विश्व के सर्वोच्च दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में बनाई जगह

स्वतन्त्र हिमाचल
(सरकाघाट)रंजना ठाकुर

हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के विख्यात स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गयी विश्व के सर्वोच्च दो प्रतिशत विज्ञानिकों की सूची में हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के प्रेसिडेंट प्रो० दीपक पठानिया अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा विश्व भर के ऐसे वैज्ञानिकों की सूची बनाई गई है जिन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर के शोध कार्य को गति प्रदान की है। प्रो ० पठानिया ने रसायन विज्ञान में अपने शोध कार्य की गुणवत्ता के आधार पर 2019 वर्ष के लिए प्रकाशित इस सूची में जगह बना कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मंडी जिला की उपतहसील टिहरा के एक छोटे से गांव कोट से संबंध रखने वाले ये युवा वैज्ञानिक जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं तथा हाल ही में सरदार वल्लभ भाई पटेल क्लस्टर विश्वविद्यालय मंडी में प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यरत हैं। उनकी इस उलब्धि से घर गांव के साथ साथ पूरे क्षेत्र

में खुशी की लहर है। प्रो० दीपक पठानिया अब तक 160 से अधिक शोध कार्य विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित कर चुके हैं तथा 21 अध्याय अलग अलग किताबों में लिख चुके हैं। साथ ही 14 पुस्तकों के लेखक भी हैं। 17 पीएचडी, 14 एमफिल व 42 एमएससी छात्र छात्राओं को उनके शोध कार्य तथा शोध प्रोजेक्ट्स में गाइड करने के साथ साथ लगभग 150 सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। यह उनके कठिन परिश्रम का ही परिणाम है कि शोध क्षेत्र के मानक माने जाने वाले एच–इंडेक्स में उनका स्कोर 44 तथा आई–10 इंडेक्स स्कोर 87 है। अब तक 11 पेटेंट्स फाइल कर चुके प्रो० पठानिया कई अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के समीक्षक व सदस्य हैं।प्रो० पठानिया देश भर के कई विश्ववद्यालयों में बोर्ड ऑफ स्टडीज तथा विभिन्न कमेटियों के अध्यक्ष व सदस्य हैं। गत वर्षों में जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय के डीन व शिक्षक संघ के प्रधान भी रहे। पॉलिमर बेस्ड कंपोसिट्स, नैनो दृ कंपोसिट्स, मेटल सेंसर्स व पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्रों में अपने शोध कार्य में उत्कृष्टता की वजह से कई अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (एच एस सी ए) के वाइस प्रेसिडेंट डा० राजेश शर्मा व डा० भीम सिंह राठौर और ग्राम पंचायत कोट के प्रधान यश पठानिया ने प्रो ० दीपक पठानिया को उनकी इस उलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह एसोसिएशन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक गौरवपूर्ण समय है। एच एस सी ए के सचिव डा० सुनील कुमार व डा० महेंद्र ठाकुर, पूर्व सचिव डा० सीता राम व संस्थापक सदस्य डा० जगदीप वर्मा ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके और उज्वल भविष्य की कामना की।बता दें कि एच एस सी ए का उदेश्य हिमाचल प्रदेश में विज्ञान को बढ़ावा देना है। इस सन्दर्भ में अब तक दस से अधिक अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करके एसोसिशन ने विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों से लेकर शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाई है। एसोसिएशन योग्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृति भी प्रदान करती है।

# प्रो. दीपक पठानिया विश्व के सर्वोच्च दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में

**सरकाघाट, ( आपका फैसला )।** हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के विख्यात स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई विश्व के सर्वोच्च दो प्रतिशत विज्ञानिकों की सूची में हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के प्रेसिडेंट प्रो. दीपक पठानिया अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा विश्व भर के ऐसे वैज्ञानिकों की सूची बनाई गई है। जिन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर के शोध कार्य को गति प्रदान की है। प्रो. पठानिया ने रसायन विज्ञान में अपने शोध कार्य की गुणवत्ता के आधार पर 2019 वर्ष के लिए प्रकाशित इस सूची में जगह बना कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मंडी जिला की उपतहसील टिहरा के एक छोटे से गांव कोट से संबंध रखने वाले ये युवा वैज्ञानिक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं तथा हाल ही में सरदार वल्लभ भाई पटेल क्लस्टर विश्वविद्यालय मंडी में प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यरत हैं। उनकी इस उलब्धि से घर – गांव के साथ साथ पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। प्रो. दीपक पठानिया अब तक 160 से अधिक शोध कार्य विभिन्न अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित कर चुके हैं तथा 21 अध्याय अलग अलग किताबों में लिख चुके हैं। साथ ही 14 पुस्तकों के लेखक भी हैं। 17 पीएचडी, 14 एमफिल व 42 एमएससी छात्र छात्राओं को उनके शोध कार्य तथा शोध प्रोजेक्ट्स में गाइड करने के साथ साथ लगभग 150 सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। यह उनके कठिन परिश्रम का ही परिणाम है कि शोध क्षेत्र के मानक माने जाने वाले एच- इंडेक्स में उनका स्कोर 44 तथा आई-10 इंडेक्स स्कोर 87 है। प्रो. पठानिया देश भर के कई विश्ववद्यालयों में बोर्ड ऑफ स्टडीज तथा विभिन्न कमेटियों के अध्यक्ष व सदस्य हैं। गत वर्षों में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय के डीन व शिक्षक संघ के प्रधान भी रहे। पॉलिमर बेस्ड कंपोसिट्स, नैनो – कंपोसिट्स, मेटल – सेंसर्स व पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्रों में अपने शोध कार्य में उत्कृष्टता की वजह से कई अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (एच एस सी ए) के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. . राजेश शर्मा व डॉ. भीम सिंह राठौर और ग्राम पंचायत कोट के प्रधान यश पठानिया ने प्रो. दीपक पठानिया को उनकी इस उलब्धि के लिए बधाई दी।

**बधाई** **हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के अध्यक्ष जगह बनाने में रहे सफल**

# प्रो. दीपक विश्व के सर्वोच्च दो फीसदी वैज्ञानिकों में शुमार

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। धर्मशाला

हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के विख्यात स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई विश्व के सर्वोच्च दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (एचएससीए) के अध्यक्ष प्रो. दीपक पठानिया अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा विश्व भर के ऐसे वैज्ञानिकों की सूची बनाई गई है, जिन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर के शोध

*एचएससीए के प्रेजिडेंट प्रो. दीपक*

कार्य को गति प्रदान की है। प्रो. पठानिया ने रसायन विज्ञान में अपने शोध कार्य की गुणवत्ता के आधार पर 2019 वर्ष के लिए प्रकाशित इस सूची में जगह बनाकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मंडी जिला की उप तहसील टिहरा के एक छोटे से गांव कोट से संबंध रखने वाले ये युवा वैज्ञानिक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रो. के पद पर तैनात हैं तथा हाल ही में सरदार वल्लभ भाई पटेल क्लस्टर विश्वविद्यालय मंडी में प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यरत हैं। प्रो. दीपक पठानिया अब तक 160 से अधिक शोध कार्य विभिन्न अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित कर चुके हैं तथा 21 अध्याय अलग-अलग किताबों में लिख चुके हैं। साथ ही 14 पुस्तकों के लेखक भी हैं। 17 पीएचडीए 14 एमफिल व 42 एमएससी छात्र छात्राओं को उनके शोध कार्य तथा शोध प्रोजेक्ट्स में गाइड करने के साथ साथ लगभग 150 सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। यह उनके कठिन परिश्रम का ही परिणाम है कि शोध क्षेत्र के मानक माने जाने वाले एच इंडेक्स में उनका स्कोर 44 तथा आई.10 इंडेक्स स्कोर 87 है। अब तक 11 पेटेंट्स फाइल कर चुके प्रो. पठानिया कई अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के समीक्षक व सदस्य हैं।

## एचएससीए ने दी बधाई

हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट डा. राजेश शर्मा व डा. भीम सिंह राठौर ने प्रो. दीपक पठानिया को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह एसोसिएशन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक गौरवपूर्ण समय है। एचएससीए के सचिव डा. सुनील कुमार व डा. महेंद्र ठाकुर, पूर्व सचिव डा. सीता राम व संस्थापक सदस्य डा. जगदीप वर्मा ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके और उज्जवल भविष्य की कामना की।